

प्रेषक,

भास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

जिलाधिकारी,
पौड़ी गढ़वाल।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक ५ नवम्बर, 2013
विषय:-जनपद पौड़ी गढ़वाल के स्थान सुमाड़ी में एन०आई०टी० की स्थापना हेतु
राज्य सरकार की 18.276 है० भूमि प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग,
उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तान्तरित करने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-169/८-एल०ए०सी०/2013 दि०-11.10.
2013 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, शासनादेश
सं०-३५/XVIII(II)/2013-18(58)/2011 दि०-१८.१.२०१३ के द्वारा कुल 102.841
है० एवं शासनादेश सं०-८६४/XVIII(II)/2013-18(58)/2011 दि०-१५.५.२०१३ के
द्वारा कुल 4.261 है० भूमि के अतिरिक्त ग्राम सुमाड़ी, बगवान, चडीगांव, सुपाणा लगा
खालू नकोट लगा खालू एवं चमराडा में कमशः-9.139 है०, 3.459 है०, 0.387 है०,
1.902 है०, 1.995 है० एवं 1.516 है० कुल 18.398 है० जो उत्तराखण्ड सरकार के
प्रबन्धन की है, में से एन०आई०टी० की स्थापना हेतु कुल 18.276 है० भूमि को वित्त
अनुभाग-३ के शासनादेश संख्या-२६०/वित्त अनुभाग-३/२००२ दिनांक १५-०२-०२
के प्राविधानों के अधीन तथा प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन
की सहमति/अनापत्ति के कम में निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन प्रशिक्षण
एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने
की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- १- भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
- २- जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।
- ३- हस्तान्तरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिये मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- ४- यदि भूमि की आवश्यकता न हो या ३ वर्षों तक हस्तान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लायी जाती है तो वह मूल विभाग में स्वतः ही निहित हो जायेगी।
- ५- जिस प्रयोजन हेतु भूमि हस्तान्तरित की जा रही है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।
- ६- जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की जा रही है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अवशेष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।

2/

- 7— प्रश्नगत भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम लागू होने की दशा में भूमि के उपयोग का परिवर्तन गैर वानिकी कार्य हेतु तभी अनुमन्य होगा जब उक्त अधिनियम के अन्तर्गत नियत प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।
- 8— प्रश्नगत जेड०ए०/नॉन जेड०ए० भूमि आवंटन के पूर्व जमींदारी विनाश एवं भू-सुधार अधिनियम की धारा-132 या समकक्ष एवं अन्य सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- 9— इस संबंध में सिविल अपील संख्या-1132/2011(एस०एल०पी०)/(सी) संख्या-3109/2011 श्री जगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य में मा० सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य संगत निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 10— इस संबंध में शासनादेश सं०-3551(I) / XVIII(II) / 2013 दि०-13.11.2013 का भी जिलाधिकारी द्वारा अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 11— आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु संख्या-1 से 10 में से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

कृपया इस संबंध में नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर से निर्गत आदेश एवं इस शासनादेश की शर्तों के अनुपालन स्थिति से यथा समय शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

मास्करानन्द
सचिव।

प०प०संख्या-३५८ / समदिनांकित / 2013

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1— सचिव, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 2— आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3— आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 4— निदेशक (एन०आई०टी०), तकनीकी शिक्षा ब्यूरो, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
- 5— निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(संतोष बड़ोनी)
अनुसचिव।